C-9 Assessment for Learning

छात्र अपने व्यक्तिगत अनुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा क्रियाओं के विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहते हैं। इससे उनको विषय की जानकारी होती है तथा उनमें अन्वेषण का भाव पैदा होता है। वह स्वयं परिश्रम करके तथ्यों की जानकारी प्राप्त करते हैं।

स्वयं अधिगम में अध्यापक का स्थान (Role of Teacher in Self Learning).

छात्र अकेले स्वयं सभी तथ्यों की जानकारी प्राप्त नहीं कर सकते हैं उन्हें अध्यापक की सहायता और पथ-प्रदर्शन की आवश्यकता पड़ती है।

स्वयं अधिगम में अध्यापक का स्थान इस प्रकार है

(1) अध्यापक को पर्याप्त जानकारी तथा ज्ञान होना अति आवश्यक है। वह अध्ययनशील प्रवृत्ति का होता है।

Scanned with CamScanner

C-7 Assessment For Learning

(ii) अध्यापक मे उत्सुकता तथा जिज्ञासा की प्रवृति होना चाहिए। इसमे वैज्ञानिक दृष्टिकोण होना अति आवश्यक है।

(iii) अध्यापक को प्रश्न पूछने की कला मे निपुण होना चाहिए। अध्यापक छात्रो को उत्साहित कर सके।

(iv) अध्यापक का दृष्टिकोण सहानुभूति-पूर्ण तथा कक्षा मे स्वतंत्रता का वातावरण बनाये रखना चाहिए।

(v) अध्यापक का धैर्यवान होना अति आवश्यक है।

(vi) अध्यापक ऐसी समस्याओं का आयोजन करे जो बच्चो की आयु क्षमता रुचि और झुकावो के अनुसार हो।

स्वयं अधिगम के लाभ

(Merits of Self Learning)

(1) ये छात्रो के दृष्टिकोण को वैज्ञानिक एवं विवेचनात्मक बनाती है।

(2) ये छात्रों मे अन्वेषण की भावना जगाती है।

(3) ये छात्रों में कठोर परिश्रम की आदत डालती है क्योंकि वे समस्या समाधान के कार्य में व्यस्त रहते हैं।
(4) ये छात्रों में आत्म-क्रियाशीलता की भावना का विकास करती है।
(5) ये छात्रों में नये-नये कार्य करने का उत्साह आत्म-विश्वास तथा आत्मनिर्भरता की भावना उत्पन्न करती है, क्योंकि इसके अन्तर्गत उन्हें स्वयं निष्कर्ष निकालना पड़ता है।
(6) छात्रों को अपने कार्यक्रम आयोजित करने का ढंग आता है।
7 इनसे अधिगम स्थाई और प्रभावशाली होता है।
8. इनसे छात्रों में पारस्परिक तथा अध्यापकों से सम्बन्ध गहरा होता है।
9 ये छात्रों को ऐसे अवसर प्रदान करती है कि वे अपने आपको ... के लिए तैयार कर सकें। विद्यार्थी विभिन्न परिस्थितियों को संभालना सीख लेते हैं। तथा निष्कर्षों पर पहुँच सकते हैं। ये अनुभव उन्हें आगामी जीवन में काम आता है।

10. छात्रों में गृह कार्य का भय नहीं रहता है। छात्र तथ्यों को घर में स्मरण नहीं करते बल्कि वे कक्षा या प्रयोगशाला में खोजते हैं।

11. छात्रों में मौलिकता का विकास होता है तथा वे अपनी सफलताओं पर आनन्द का अनुभव करते हैं।

12. ~~अनुशासनही~~ छात्रों में अनुशासनहीनता की समस्या नहीं रहती है क्योंकि वे अपने-अपने कार्य में व्यस्त रहते हैं।

स्वयं अधिगम की सीमाएँ

(Limitations of Self-Learning)

स्वयं अधिगम की सीमाएँ निम्नलिखित हैं।

(1) ~~विद्या~~ विद्यार्थियों की बुद्धि अपरिपक्व होती है। उन्हें आविष्कारकों की स्थिति में नहीं रखते हैं रख सके।

2. अनेक तकनीकें मन्द गति वाली हैं। इसका अनुकरण करने से पाठ्यचर्या को समय पर समाप्त करना ~~सम~~ सम्भव नहीं है।

3. प्राथमिक कक्षाओं के लिए यह

प्रणाली उपयुक्त नहीं

4. यह प्रणाली हर स्थान पर तथा हर समय प्रयोग में नहीं लाई जा सकती अतः अध्यापकों को प्रत्यक्ष ज्ञान देने के लिए आदर्श लेना पड़ता है।

5. सभी छात्र ~~अनुसंध~~ अनुसंधान नहीं कर सकते क्योंकि बहुत से छात्र मानसिक दृष्टि से पिछड़े होते हैं।